REGISTERED No. D. 221

UE:



ग्रसाकारण

## EXTRAORDINARY

भाग **II---- वावड---- 3 उपखब्ड** (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 505]

मई विल्ली, मंगलबार, सन्तुबर 12, 1971/झादिवन 20, 1893

No. 505]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 12, 1971/ASVINA 20, 1893

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

#### MINISTRY OF FOREIGN TRADE

### ORDER

New Delhi, the 12th October 1971

S.O. 3851.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs Department of Industrial Development) No. S.O. 4320/18A/IDRA/69, dated the 22nd October, 1969, the management of the undertaking known as the Krishnaveni Textiles Ltd., Coimbatore, had been taken over by the Authorised Controller referred to in the Order mentioned above for a period of two years upto and inclusive of 21st October, 1971;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the Public interest that the management of the said undertaking by the said Authorised Conroller should continue for a further period upto and inclusive of the 21st October, 1973;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to subsection (2) of Section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the Order mentioned above shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of 21st October, 1973.

[No. F. 11021/77/71-Tex(G).]

B. D. KUMAR, Jt. Secy.

# विदेश व्यापार मंत्रालय

#### श्रादेश

# नई दिल्ली, 12 श्रक्तूबर, 1971

का० था० 3851.—यतः भारत सरकार के श्रीद्योगिक विकास श्रान्तरिक व्यापार तथा समवाय कार्य मंत्रासय (श्रीद्योगिक विकास विभाग) के श्रादेण सं० का० थ्रा० 4320/18/ए/ श्राई० डी० श्रार० ए/69, दिनांक 22 श्रक्तूबर, 1969 द्वारा कृष्णवेनी टैक्सटाइल्स लि०, कोयम्बटूर मामक श्रीद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध उपरिवर्णित श्रादेश में निर्दिष्ट प्राधिकृत नियन्त्रक द्वारा 21 श्रक्तूबर, 1971 तक की दो वर्ष की श्रवधि के लिये, जिसमें यह तारीख भी शामिल है, ग्रहण कर लिया गया था,

भीर यतः, केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह सभीचीन है कि उक्त प्राधिकृत नियंत्रक के पास उक्त उपक्रम का प्रबन्ध 21 धक्तृबर, 1973 तक की अवधि के लिए जिसमें यह तारीख भी शामिल है, और बना रहना चाहिए,

ग्रतः, ग्रव उद्योग (विकास तथा विनियमन) ग्रिधिनियमः 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निदेश देती है कि उपरिवर्णित ग्रादेश का प्रभाव 21 अक्तूबर, 1973 तक की ग्रवधि के लिए. जिसमें यह तारीख भी शामिल है, ग्रीर बना रहेगा।

[सं॰ फा॰ 11021/77/71-टैक्स (जी)] बी॰ डी॰ कुमार, संयुक्त मचिय ।